भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2712
उत्तर देने की तारीख-17/03/2025

उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय विद्यालय

2712. **श्री नरेश चंद्र उत्तम पटेल:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय विद्यालयों में प्रवेश संबंधी बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में केन्द्रीय विद्यालयों के विस्तार के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त केन्द्रीय विद्यालय के भवन के निर्माण के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है तथा इसके निर्माण कार्य में लगी एजेंसियों/संस्थाओं के नाम क्या हैं; और
(घ) उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में अंदौली, मधुपुरी में केन्द्रीय विद्यालय के नए स्कूल परिसर/भवन का निर्माण कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) केन्द्रीय विद्यालय (केवि) देशभर में प्रवेश लेने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य के केन्द्रीय विद्यालय भी शामिल हैं। केन्द्रीय विद्यालय संगठन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए योग्य शिक्षकों की भर्ती, केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) के आंतरिक और ज्ञान साझेदारों के साथ शिक्षकों की सशक्त क्षमता निर्माण, स्कूल, क्षेत्रीय और मुख्यालय स्तर पर केन्द्रीय विद्यालयों की त्रिस्तरीय शैक्षणिक निगरानी, शिक्षकों द्वारा शिक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इसे आनंददायक और रूचिकर बनाना, बाल केंद्रित शिक्षाशास्त्र का उपयोग करना, योग्यता आधारित अधिगम और मूल्यांकन को अपनाना, विभिन्न क्रीडा और खेलों में छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना, एनसीसी, स्काउट और गाइड तथा बच्चों के समग्र विकास के लिए अन्य प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय विद्यालयों में प्रवेश की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए मांग के अनुसार नए केन्द्रीय विद्यालय खोले जा रहे हैं।

(ख) नए केन्द्रीय विद्यालयों का खोला जाना एक सतत प्रक्रिया है। केन्द्रीय विद्यालय मुख्य रूप से पूरे देश में शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने के लिए रक्षा एवं अर्धसैनिक बलों के कार्मिकों, केन्द्रीय स्वायत्त निकायों, केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केन्द्रीय उच्च शिक्षण संस्थान (आईएचएल) सहित स्थानांतरित होने वाले केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। नए केन्द्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) के प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किए जा सकते हैं, जिसमें मानदंडों के अनुसार नए केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना हेतु भूमि और अस्थायी आवास सहित अपेक्षित संसाधन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता शामिल होगी। प्रस्ताव मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन हैं। वर्तमान में, उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के मधुपुरी में 01 केवि सहित 122 केवि कार्यशील हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में नया केवि खोलने के लिए केविसं संबंधित राज्य सरकार/जिला प्रशासन से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(ग) और (घ) केविसं द्वारा 2460.34 लाख रुपये अनुमोदित किए गए हैं तथा निर्माण एजेंसी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को अब तक 1820.00 लाख रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। केन्द्रीय विद्यालयों के लिए स्थायी भवनों का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, जो उपयुक्त भूमि की पहचान, प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा केन्द्रीय विद्यालयों के पक्ष में अंतरण/पट्टे की औपचारिकताओं को पूरा करना, निर्माण एजेंसी द्वारा नक्शा/अनुमान प्रस्तुत करना, धन की उपलब्धता और अपेक्षित अनुमोदन आदि पर निर्भर करता है।

*****